दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार

बाल कैंसर सर्वाइवरशिप और उपचार के बाद जीवन पर केंद्रित विशेष पहल

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। आरजीसीआईआरसी राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर ने अपने रोहिणी केंद्र में जीव शरदः शतम् - विशिंग यंग कैंसर वॉरियर्सः हेल्थ, हैप्पीनेस एंड होप शीर्षक से एक विशेष सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन आरजीसीआईआरसी के दो विभाग - फिलैंथ्रॉपी विभाग और पेशेंट वेलफेयर सर्विसेज एंड द डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी एंड बीएमटी द्वारा किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बाल कैंसर सर्वाइवरशिप, समग्र पुनर्वास और उपचार के बाद जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करना था। यह सम्मेलन केवल एक शैक्षणिक चर्चा तक सीमित नहीं था, बल्कि युवा सर्वाइवर्स की दृढ़ता का उत्सव मनाने और उनके लिए दीर्घकालिक सहयोग प्रणालियों को मजबूत करने का एक मंच भी था। चिकित्सकों, संस्थान के नेतृत्व, सामाजिक कार्यकताओं, कॉर्पोरेट सीएसआर प्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों, सर्वाइवर्स और अभिभावकों ने बाल कैंसर देखभाल के विकसित होते परिदृश्य और उपचार के बाद आशा को बनाए रखने की सामूहिक जिम्मेदारी पर विचार साझा किए। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण हीलिंग हार्ट्सः स्टोरीज ऑफ यंग कैंसर वॉरियर्स खंड 2 पुस्तक का विमोचन रहा, जिसमें साहस, संघर्ष और पुनर्प्राप्ति की प्रेरणादायक कहानियाँ संकलित हैं। कार्यक्रम की शुरूआत आरजीसीआईआरसी के सीईओ डी. एस. नेगी सेवानिवृत्त आईएएस, अंतरिम सीईओ डॉ. डी. एस. गंगवार तथा चेयरमैन अशोक अग्रवाल के नेतृत्व संबोधनों से हुई। तीनों ने पीडियाट्रिक कैंसर की व्यापक और समग्र देखभाल के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

बाल कैंसर विजेताओं के लिए आशा और पुनर्वास पर मंथन

फरीदाबाद। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर ने रोहिणी स्थित अपने केंद्र में ह्लजीव शरदः शतम्ह्व शीर्षक से विशेष सम्मेलन आयोजित किया। पहल का उद्देश्य बाल कैंसर से उबर चुके बच्चों के दीर्घकालिक पुनर्वास, परामर्श और जीवन की गुणवत्ता पर व्यापक चर्चा करना रहा। कार्यक्रम में संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डी. एस. नेगी, अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. डी. एस. गंगवार और अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने समग्र देखभाल की आवश्यकता दोहराई। डी. एस. नेगी ने कहा कि उपचार के साथ जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. गंगवार ने शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक आयामों को साथ लेकर चलने पर बल दिया। सम्मेलन में प्रेरक अनुभव साझा किए गए और 'हीलिंग हार्ट्स:' स्टोरीज ऑफ यंग कैंसर वॉरियर्स' पुस्तक का विमोचन हुआ। विशेषज्ञों ने उपचार के बाद निरंतर निगरानी और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

THE CITIZEN TIMES

RGCIRC Hosts 'Jeev Sharad: Shatam' - A Conference Highlighting Pediatric Cancer Survivorship and Life Beyond Treatment

New Delhi: RGCIRC (Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre) organised a special half-day conference titled "Jeev Sharad: Shatam" - Wishing Young Cancer Warriors: Health, Happiness, and Hope" recently at Indraprastha Hall, Rohini. The event was jointly organised by the Department of Philanthropic & Patient Welfare Services and the Department of Pediatric Hematology Oncology & BMT, bringing the spotlight on childhood cancer survivorship, holistic rehabilitation, and life beyond diagnosis. The conference was designed not merely as an academic exchange but as a platform to celebrate resilience and reinforce long-term support systems for young survivors. Clinicians, hospital leadership, social workers, corporate CSR partners, volunteers, survivors, and caregivers came together to reflect on the evolving landscape of pediatric oncology care and the shared responsibility of nurturing hope beyond treatment. The programme opened with leadership addresses by Mr. D. S. Negi (Retd. IAS), CEO at RGCIRC; Dr. D. S. Gangwar, Interim CEO; and Mr. Ashok Aggarwal, Chairman at RGCIRC, all of whom emphasised the institute's long-standing commitment to comprehensive childhood cancer care. Addressing the gathering, Mr. D. S. Negi said, "Medical science has significantly improved survival rates in childhood cancers. Our responsibility now is to ensure that survival translates into quality of life. Structured follow-up, psychological support, and social reintegration are essential components of pediatric cancer care." Dr. D. S. Gangwar highlighted the importance of a multidisciplinary approach. He remarked, "Holistic care means addressing the physical, emotional, and social dimensions of recovery. Survivorship programmes must be built on continuity of care, family counselling, and sustained monitoring for late effects of treatment." Echoing this vision, Mr. Ashok Aggarwal noted, "Childhood cancer survivorship requires collaborative partnerships. Healthcare institutions, philanthropic organisations, corporates, volunteers, and families must work together to create lasting support systems for young warriors."

TOP STORY

RGCIRC Celebrates Pediatric Cancer Survivors with Jeev Sharad: Shatam Conference

TSN/New Delhi:

The Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre (RGCIRC) recently hosted a special half-day conference, Jeev Sharad: Shatam – Wishing Young Cancer Warriors Health, Happiness, and Hope, at Indraprastha Hall, Rohini, spotlighting childhood cancer survivorship and life beyond treatment. The event, organised jointly by the Departments of Philanthropic & Patient Welfare Services and Pediatric Hematology Oncology & BMT, brought together clinicians, hospital leadership, social workers, corporate partners, volunteers, survivors, and caregivers to celebrate resilience and explore long-term support for young survivors.

The programme opened with addresses by RGCIRC leadership, including CEO Retd. IAS D. S. Negi, Interim CEO Dr. D. S. Gangwar, and Chairman Ashok Aggarwal, highlighting the institute's commitment to comprehensive pediatric cancer care. Emphasising the shift from survival to quality of life, Mr. Negi noted the importance of structured follow-up, psychological support, and social reintegration. Dr. Gangwar stressed a multidisciplinary approach, integrating physical, emotional, and social aspects of recovery, while Mr. Aggarwal underscored collaborative partnerships between healthcare institutions, philanthropies, volunteers, and families to ensure sustained support.

The keynote address by Mrs. Reva Nayyar, Director of Essel Social Welfare Foundation, highlighted the transformative role of social responsibility and community engagement in providing holistic care beyond treatment. She called for access to rehabilitation and support as a right, not a privilege.

Clinical sessions focused on long-term pediatric oncology care, with Dr. Gauri Kapoor, Director of Pediatric Oncology and Hematology at RGCIRC Niti Bagh, detailing advances in treatment outcomes and structured survivorship models. A multidisciplinary panel discussion, Many Layers of Cancer Care: Nurturing Hope, brought together medical experts, social workers, CSR representatives, volunteers, and adult survivor Nikita Goel, who shared her personal journey of resilience.

दैनिक जागरण

आरजीसीआइआरसी में बाल कैंसर पर हुई चर्चा

जासं, बाहरी दिल्ली : राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआइआरसी) ने अपने रोहिणी केंद्र में ''जीवेद शरदः शतम् - विशिंग यंग कैंसर वारियर्सः हेल्थ, हैप्पीनेस एंड होप'' शीर्षक से आयोजित सम्मेलन में बाल कैंसर सर्वाइवरशिप, समग्र पुनर्वास और उपचार के बाद विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन आरजीसीआइआरसी के दो विभाग - फिलेंथ्रापी विभाग और पेशेंट वेलफेयर सर्विसेज एंड द डिपार्टमेंट आफ पीडियाट्रिक हेमेटोलाजी आन्कोलाजी एंड बीएमटी द्वारा किया गया। मुख्य वक्तव्य एस्सेल सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की निदेशक सेवानिवृत्त आईएएस रेवा नैयर ने दिया। सीईओ डीएस नेगी, अंतरिम सीईओ डा. डीएस गंगवार तथा चेयरमैन अशोक अग्रवाल, मेडिकल डायरेक्टर डा. गौरी कपूर, डा. पायल मल्होत्रा आदि ने संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया।